''स्पंदन''

समाचार - पत्रिका

राजस्थान महिला कल्याण मण्डल संस्था, चाचियावास (अजमेर) का त्रैमासिक समाचार पत्र
(सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1958 के अन्तर्गत पंजीकृत संस्था पंजीयन सं. 19/ए.जे.एम./87-88)

केवल निजी वितरण हेतु | अंक (21) वर्ष (5) | सितम्बर 2013 से नवम्बर 2013

"सम्पादकीय"

Communication - संप्रेषण से सभी भली-भाँति परिचित है बिना संप्रेषण हम हमारे परिवार और समाज की कल्पना नहीं कर सकते है आमतौर पर हम वाक्, भाषा और सम्प्रेषण को एक ही मानते है इसलिए इनसे सम्बन्धित दोषों को पहचान पाना भी मुश्किल हो जाता है जिससे हम सम्बन्धित दोष पर भी काम नहीं कर पाते है ।

इस अंक में हम संप्रेषण के बारे में विस्तार से पढ़ेगे।

शुभकामनाओं सहित।

मुख्य सम्पादक

लिखते रहिए — आपके सुझावों एवं फीड बैक का हमेशा इंतजार रहता है, अत: कृपया लिखते रहिए

सम्पादक मण्डल

मुख्य सम्पादक : राकेश कुमार कौशिक

: सम्पादन समिति :

क्षमा आर. कौशिक, तरुण शर्मा, पद्मा चौहान, लक्ष्मणसिंह चौहान

धन्यवाद

- श्रीमती ज्योतिका गुप्ता एवं श्री नवल किशोर जी द्वारा मीनू मनोविकास मन्दिर इन्क्लूसिव स्कूल, चाचियावास, अजमेर के बच्चों को दिनाँक 17 अक्टूबर 2013 को भोजन उपलब्ध कराने हेतु।
- श्री संदीप सुराणा द्वारा संजय इन्क्लूसिव स्कूल के ब्यावर के बच्चों को स्वेटर उपलब्ध कराने हेतु।

आवश्यकता है

★ बच्चों के भोजन हेतु बैठने के लिए 10 दरी-पट्टियों की।
★ बच्चों के नृत्य-गान कार्यक्रम हेतु म्यूजिक सिस्टम की।
★ समुदाय आधारित कार्यक्रम के अन्तर्गत 7 वंचित परिवारों के बच्चों के लिए 7 श्रवण यंत्र की।
★ आवासीय विद्यालय में प्रथम तल तक जाने के लिए रेम्प निर्माण की।
★ 15 बच्चों हेतु व्हील चेयर की।

बधाईयाँ

अन्तर्राष्ट्रीय पुष्कर मेला 2013 में संस्था की प्रदर्शनी को प्रथम पुरस्कार से जिला कलेक्टर, अजमेर द्वारा सम्मानित किये जाने पर बधाईयाँ।

संप्रेषण क्या है ?

प्रत्येक जीव संप्रेषण के द्वारा अपनी अभिव्यक्ति देता है। बच्चे अपने माता / पिता से प्रश्न पूछते है माता / पिता उनका उत्तर देते है, एक श्रवण बाधित बच्चा इशारों से अपनी बात पूछता है या बताता है एक श्रवण और दृष्टि बाधित बच्चा स्पर्श द्वारा अपनी बात बताता है। जानवर जैसे कुत्ता / गाय आदि पूँछ हिलाकर या आवाज देकर अपनी अभिव्यक्ति देते है।

हम दिन-भर संप्रेषण करते रहते है संप्रेषण विचारों के आदान-प्रदान करने, अपनी खुशी या गुस्सा प्रकट करने, अपनी भावनाएं, इच्छाएं और संवेगों के आदान-प्रदान करने के लिए करते है संप्रेषण उद्देश्यपूर्ण अथवा बिना उद्देश्यपूर्ण हो सकता है वास्तव में हम हर संभव संवेदनात्मक रूप का उपयोग कर सकते है।

श्रवण माध्यम द्वारा संप्रेषण रीतियों के उदाहरण : बोलना, सायरन, अलार्म, टेलिफोन आदि।

दृश्य माध्यम द्वारा संप्रेषण रीतियों का उदाहरण :

पढ़ना, लिखना, इशारे, चेहरे के हावभाव, शारीरिक हावभाव, टेलिग्राम, टीवी, नृत्य, नाटक, सिनेमा आदि।

स्पर्श व सूंघने के माध्यम द्वारा संप्रेषण रीतियों का : हाथ मिलना, चूमना, गले लगाना, घुँसा मारना, थप्पड़ मारना, जलने की गंध।

हम कई रीतियों द्वारा संप्रेषण करते है। संप्रेषण की रीति कोई भी हो, हम बिना कारण संप्रेषण नहीं करते है। जैसे व्यर्थ वार्तालाप भी समय काटने के लिये किया जाता है। लोग विभिन्न कारणों के लिये संप्रेषण करते है, इनको संप्रेषण के उद्देश्य (फंक्शन ऑफ कम्यूनिकेशन) कहते है।

संप्रेषण के उद्देश्य/भूमिका (फंक्शन्स) :

हम मुख्यत: हमारी आवश्यकताओं को पूरी करने के लिये संप्रेषण करते हैं, जो समय-समय पर बदलते रहते है। इसके साथ ही हम संप्रेषण की सूचना पाने के लिये, अंत: क्रिया आदि के लिये उपयोग करते है। संप्रेषण के संदर्भ में विचार-विनियम होता है। यह विचार विनियम एक औजार के बिना नहीं हो सकता जो वक्ता और श्रोता दोनो के लिये सामान्य है। इसी उद्देश्य के लिये मानव ने भाषा का निर्माण किया। भाषा व्यक्ति के समूह या एक समाज के लिये सामान्य है। भाषा संप्रेषण को आसान बनाती है।

संप्रेषण की रीतियां

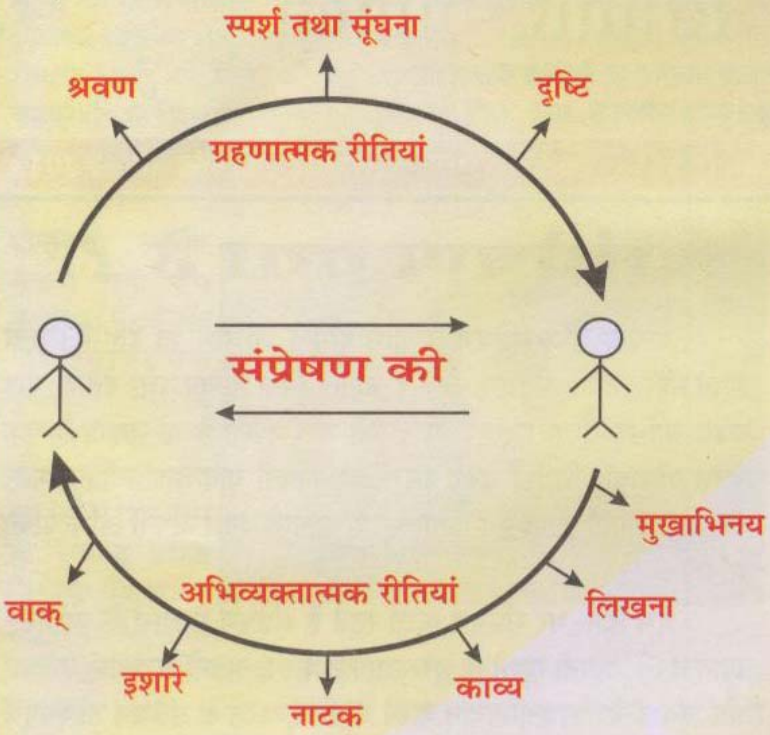

सामान्य विकास के संप्रेषण हेतु संकेतक

आयु	संप्रेषण
जन्म से 3 महीने	मुख से आवाजें बनाना, माँ की आवाज सुनकर हँसना
3–6 महीने	आवाजों की ओर सर घुमाना, तुतलाना, आवाजों की नकल करना, अलग-अलग तरह से रोना।
6–9 महीने	'गागा' जैसे शब्द बोलना, आवाजके प्रयोग से ध्यान अपनी ओर करना।
9–12 महीने	'बाय-बाय' करना, 'नहीं' कहने पर रूक जाना, नए शब्दों की नकल करना।
12–18 महीने	'ना' कहने के लिए सिर हिलाना, शब्दों का प्रयोग प्रारंभ करना, आसान निर्देश मानना।
18–24 महीने	कार्यों का दो शब्दों में वर्णन करना, खुद को अपने नाम से पुकारना।
24–36महीने	गानों को साथ गाना, तीन शब्दों के वाक्य बोलना, सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करना, एक समय पर दो निर्देश मानना।

संप्रेषण तथा भाषा के उद्देश्य

संप्रेषण उद्देश्य	अर्थ	उदाहरण
1. उपकरणीय (इन्स्ट्रूमेंटल)	एक व्यक्ति की आवश्यकताओं को पूरा करना।	मुझे पानी दो
2. नियमित (रेग्युलेटरी)	अन्य व्यक्ति के व्यवहारों को नियन्त्रित करना, समझना, विश्वास दिलाना, सुधारना, आलोचना करना, धमकाना आदि।	झूठ न बोलना
3. अन्त: क्रिया (इंटरॅक्शन)	अभिवादन करना, विभिन्न सामाजिक परिस्थितियों में विचार व्यक्त करना, तथा लोगों से मिलजुल कर रहना।	नमस्कार, धन्यवाद आदि।
4. व्यक्तिगत (पर्सनल)	स्वयं को जानना तथा अपना स्वत: व्यवहार नियन्त्रित करना।	मुझे उस तरह नहीं करना चाहिये
5. अन्वेषणात्मक (ह्युरिस्टिक)	सूचना प्राप्त करना, विचार तथा ज्ञान के विकास के लिये धारणा बनाना	हमारे नये प्रधान मंत्री कौन हैं?
6. काल्पनिक (इम्याजनेटिव)	कल्पना करना, सनक (फॅन्टासी) कला का कलात्मक उपयोग करना, भाषा के बारे में सोंचना आदि।	फूल की तरह मुस्कुराती रहो
7. सूचनात्मक (इन्फरमेटिव)	सूचना, प्रदान करना विरोध, क्रोध, दर्द आदि व्यक्त करना।	वाक् और भाषा अलग है

साभार : राष्ट्रीय मानसिक विकलांग संस्थान, सिकंदराबाद

सुर्खियां

सितम्बर 2013 से नवम्बर 2013 तक

सितम्बर 2013

शिक्षक दिवस :- विद्यालय में शिक्षक दिवस 5 सितम्बर 2013 को हर्षोल्लास के साथ मुख्य अतिथि एम.पी.सिंह (व्याख्याता मिलट्री स्कूल अजमेर) की उपस्थिति में मनाया गया। अतिथि ने अपने उद्बोधन में शिक्षक की महत्ता बताते हुये ईमानदारी, कर्त्तव्यनिष्ठता, सत्यप्रियता से कार्य करने व अपने गुरूओं का सम्मान करने का संदेश दिया।

गणेश चतुर्थी :- मीनू मनोविकास मंदिर इन्क्लूसिव चाचियावास, अजमेर एवं संजय इन्क्लूसिव स्कूल, ब्यावर में दिनांक 09.09.2013 को गणेश चतुर्थी का उत्सव बडे हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम के पूर्व सभी कक्षाओं में गणेश, कार्तिक बनाकर सजाकर तैयार किया गया इसके पश्चात् साई शिव धाम मंदिर में गणेश प्रतिभा की स्थापना कर पूजा अर्चना संस्था के सचिव सागरमल कौशिक द्वारा की गई।

''उम्मीद'' का शुभारम्भ :- राजस्थान महिला कल्याण मण्डल संस्था चाचियावास, अजमेर एवं श्री रंगनाथ वेणुगोपाल मन्दिर (पुराना) पुष्कर के संयुक्त तत्वाधान में संचालित ''उम्मीद''- मानसिक विकलांग बच्चों के लिए शिक्षण प्रशिक्षण एवं पुनर्वास केन्द्र का शुभारम्भ दिनांक 9 सितम्बर 2013 को हुआ। इस केन्द्र के बारे में मुख्य कार्यकारी क्षमा आर. कौशिक ने बताया कि इस केन्द्र पर बच्चों की आवश्यकता के अनुसार विशेष शिक्षा, फिजियोथैरेपी, स्पीचथैरेपी, साईकोथैरेपी, व्यावसायिक प्रशिक्षण बच्चों को उपलब्ध कराये जायेगें। उन्होंने बताया कि यह केन्द्र अभिभावकों एवं समुदाय के सहयोग से संचालित किया जायेगा। कार्यक्रम में मीनाक्षी केवलरमानी ने ''काल्यों कूद पडयो मेला में'' गाने पर नृत्य प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम में पूर्व रक्षा सचिव भारत सरकार श्री अजय विक्रम सिंह, वरिष्ठ भू-वैज्ञानिक (सेवानिवृत)

श्री राजकुमार नाहर, श्री ठाकुर प्रसाद शर्मा, रोटरी क्लब अजमेर के अध्यक्ष श्री सत्य नारायण सिंघल, सचिव श्री कमल शर्मा, श्री टीकम शर्मा (पार्षद) आदि उपस्थित थे।

अक्टूबर 2013

महात्मा गांधी व शास्त्री जयन्ती दिनांक 01. 10. 2013 :- विद्यालय परिसर में महात्मा गांधी / शास्त्री जयन्ती हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी। बच्चों को सत्य, अहिसा व सादगी के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। पूर्व में विद्यालय की सभी कक्षाओं में बच्चों ने ग्रिटिंग कार्ड बनाये एवं कार्यक्रम के दौरान अतिथियों को भेट किये। बच्चों ने महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री व गांधी के तीन बन्दर की भूमिका भी निभायी। संस्था द्वारा संचालित संजय इन्क्लूसिव स्कूल, ब्यावर में दिनांक 01.10.2013 को गांधी जयन्ती मनायी जिसमे अतिथि के रूप मे श्री ओम जी महावर व श्री रिखब चन्द जी व श्री एमब्रीक़ुरैशी साहब थे कार्यक्रम में कक्षा 5 का छात्र दीपक सिंघाडिया ने गांधी जी बनकर सभी बच्चो को गांधी जी के आदर्शो पर चलने की प्रेरणा दी।

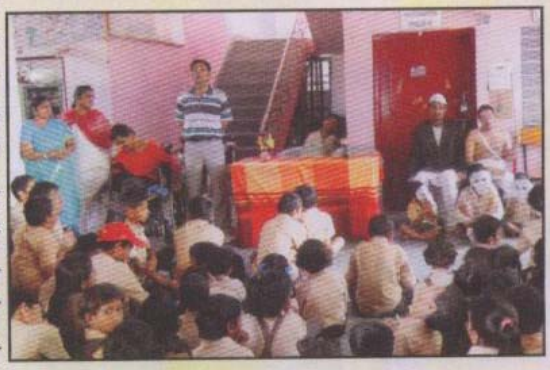

अन्तर्राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य दिवस 10.10.2013 :- प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी ब्यावर न्यायालय से न्यायाधीश श्रीमान् श्याम कुमार व्यास व श्रीमता आरती भारद्वाज ने विद्यालय में आकर बच्चो को मानसिक स्वास्थ्य दिवस की शुभकामनाएं दी एवं बच्चों के साथ अभिभावकों को कानूनी जानकारी दी व सरकारी सुविधाओ से परिचय करवाया। केन्द्र प्रभारी रणसिंह चीता द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

बाल संसद का गठन दिनांक 10. 10. 2013:- हमारी यह कोशिश रहती है कि विद्यालय मे बच्चे स्वयं निर्णय लेते हुए हर गतिविधियों मे भाग ले इस हेतु माह जनवरी 2013 मे एक बाल मंच का गठन किया गया परिणाम स्वरूप एक प्रतिबद्ध समूह तैयार हुआ अब जरूरत के अनुसार इन बच्चो को लोकतंत्र प्रणाली से जोड़ते हुए चुनाव प्रक्रिया को समझाया गया व विद्यालय में बाल संसद के गठन करने का निर्णय लिया। जिसमें हर बच्चें को रूचि के अनुसार जिम्मेदारी मिलें।

अभिभावक बैठक दिनांक 19.10.2013 :- अभिभावक मिलन समारोह का आयोजन प्रात: 11 बजे से 1 बजे तक किया गया जिसमें 50 बच्चों के अभिभावकों ने भाग लिया और शिक्षक व अभिभावकों ने मिलकर छात्र-छात्राओं की शैक्षणिक प्रगति, कार्यो की आगामी योजना व शिक्षण लक्ष्यों पर चर्चा की गई साथ ही फिजियोथैरेपी, स्पीचथैरेपी, व्यावसायिक प्रशिक्षण, खेल गतिविधि, म्यूजिक, कम्प्यूटर, पुस्तकालय, नृत्य, नाटक, कविता, कहानी, सम्मिलित कार्यक्रम की जानकारी दी गई।

दीपावली त्यौहार दिनांक 25.10.2013 :- विद्यालय परिसर में दीपावली त्यौहार मनाया गया इस कार्यक्रम में अतिथि श्री सागर मल कौशिक (संस्था सचिव) द्वारा गणेश व लक्ष्मी की पूजा की गई व कार्यक्रम के पश्चात् प्रसाद वितरण किया व स्टाफ व सभी बच्चों ने मिलकर पटाखे जलाये। संस्था द्वारा संचालित संजय इन्क्लूसिव स्कूल ब्यावर में दिनांक 26.10.2013 को विद्यालय परिवार के साथ माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष श्री दिलीप जाजू व श्री कुलदीप भूतडा एव एम. बी. कुरैशी साहब (अध्यक्ष एस.आई.एस.ब्यावर) ने दीपावली मनाई।

नवम्बर 2013

बाल दिवस दिनांक 13.11.2013 :- विद्यालय में बाल दिवस दिनांक 13.112013 के 'चाइल्ड लाइन' के सदस्यों के साथ हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में खेल गतिविधियॉ, मेहंदी प्रतियोगिता व ड्रांइग प्रतियोगिता आयोजित की गयी। विद्यालय के छात्र आकाशदीप ने नेहरू जी के चरित्र को नेहरू जी बनकर सबसे सामने प्रस्तुत किया।

पुष्कर मेला प्रदर्शनी दिनांक 13 से 17 नवम्बर 2013 :- राजस्थान पशुपालन विभाग की ओर से विश्व प्रसिद्व 'पुष्कर पशु मेला' का आयोजन हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 13 से 17 नवम्बर 2013 तक किया गया जिसमें संस्था द्वारा प्रदर्शनी व जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। जिला कलेक्टर श्री वैभव गालरिया द्वारा संस्थागत प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। प्रदर्शनी में विकलांगों द्वारा बनाई गई लकड़ी की सामग्री एवं टीएलएम व स्टेशनरी का प्रदर्शन भी किया गया। संस्था द्वारा पूरे मेले में चार स्थानों पर प्रदर्शनियॉ लगाई गई जो क्रमश विकास प्रदर्शनी, रंगजी का मंदिर, उद्योग क्राप्ट मेला व राजस्थान पर्यटन विभाग में थी। संस्था को अंतिम दिन प्रदर्शनी व जागरूकता कार्यक्रम हेतू प्रथम स्थान दिया गया एवं जिला कलेक्टर, श्री वैभव गालरिया द्वारा प्रमाण-पत्र व ट्राफी देकर सम्मानित किया गया।

मयूर स्कूल बाल मेले का भ्रमण दिनांक 14 नवम्बर 2013 :- मनोरंजनात्मक व सामाजिक गतिविधियो को बढ़ावा व बच्चो के सम्पूर्ण विकास व सामाजिक सहभागिता के विकास के लिए भ्रमण आवश्यक हैं। संस्था द्वारा संचालित मीनू मनोविकास मंदिर इन्क्लूसिव स्कूल के छात्रों नें मयूर स्कूल अजमेर में आयोजित बाल मेंले का भ्रमण किया। वहाँ पर बच्चों ने खेल गतिविधियों में हिस्सा लिया व पुरूस्कार जीते। बच्चों के लिये वहाँ जल पान की दुकाने, घुड़सवारी, ऊंट सवारी की व्यवस्था मौजूद थी बच्चों ने घुड़सवारी व ऊंट सवारी का लुफ्त उठाया व चाट टिकिया, पानीपुरी के चटकारे लगाये।

मतदान जागरूकता रेली निकाली 23.11.2013 :- शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार बच्चो द्वारा मतदाता जागरूकता रेली निकाली गई जिसमे नोडल प्रभारी श्री छोटू लाल (एच.एम. UPS शॉहपुरा) द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रतिष्ठा में, _____

मुद्रित सामग्री | बुक पोस्ट

राजस्थान महिला कल्याण मण्डल
''विश्वामित्र आश्रम''
ग्राम - चाचियावास (जनाना अस्पताल से 4 किमी आगे),
पोस्ट - गगवाना, अजमेर, जिला-अजमेर (राज.) 305023
Email : rmkm_ajm@yahoo.com, rmkm.a@rediffmail.com
Ph.# : 0145-2794481, Fax : 0145-2794482, Mob.: 9829140992

सौजन्य : Vibha
मुद्रक : प्रगति प्रिन्टर्स, पुरानी मंडी, अजमेर